

सत्र 2019–20

**Praveshika Certificate in Performing Art (P.C.P.A.)**

**II Year**

**Private**

S.No.	Paper Description	Maximum	Minimum
01.	Theory – I	100	33
02.	Practical – Demonstration & Viva	100	33
	<b>Grand Total</b>	<b>200</b>	<b>66</b>



# स्वाध्यायी परीक्षार्थियों हेतु

प्रवेशिका सर्टिफिकेट इन परफॉर्मिंग आर्ट अंतिम वर्ष (P.C.P.A.)

तबला—शास्त्र

(वस्तुनिष्ठ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पद्धति पर आधारित)

समय : 3 घंटे

अंक योजना	
पूर्णांक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
100	33%

इकाई 1

मंद्र, मध्य, तार, सप्तक, आरोह तथा अलंकार की जानकारी।

इकाई 2

विलम्बित, मध्य, एवं द्रुत लय की परिभाषा एवं खाली—भरी की जानकारी।  
कायदा, रेला तथा मुखड़े की परिभाषा।

इकाई 3

तबला बांये की रचना की संपूर्ण जानकारी। तिट, तिरकिट, धागे, धिनगिन,  
किड़नग आदि को तबला—बांयें पर निकालने की विधि का ज्ञान।

इकाई 4

भातखण्डे ताल लिपि का सामान्य ज्ञान। प्रथमा (प्रथम वर्ष) के कायदे एवं  
रेलों को ताललिपि में लिखना।

इकाई 5

प्रथम वर्ष के अतिरिक्त एकताल, आड़ाचौताल एवं तिलवाड़ा तालों का ज्ञान।

# स्वाध्यायी परीक्षार्थियों हेतु

## प्रवेशिका सर्टिफिकेट इन परफॉर्मिंग आर्ट अंतिम वर्ष (P.C.P.A.)

### तबला-शास्त्र

### क्रियात्मक

अंक योजना	
पूर्णांक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
100	33%

- 1 प्रथम वर्ष के तालों के अतिरिक्त एकताल, आड़ाचौताल तथा तिलवाड़ा तालों के ठेके हाथ से ताली देकर बोलना तथा तबले पर बजाना।
- 2 तिट, तिरकिट, धागे, धिनगिन, घिड़नग, किड़नग, इन बोलों को तबले तथा बायें पर बजाना।
- 3 त्रिताल, झपताल, दादरा, रूपक, और कहरवा तालों को दुगुन तथा चौगुन में बजाना।
- 4 त्रिताल में प्रथम वर्ष के कायदों तथा रेले के अतिरिक्त :-  
(अ) धाति टधा तिट धाधा तिट धागे तिन किन – यह कायदा चार पल्ले तथा तिहाई सहित दुगुन में बजाना एवं पढ़ना।  
(ब) धाऽ तिर किट धाऽ तिट घेन धाति घेन तिन किन – यह कायदा चार पल्ले तथा तिहाई सहित दुगुन में बजाना एवं पढ़ना।  
(स) धातित् धातित् धाधा धिंधा, धिंधा धातित् धाधा धिंधा यह पेशकार दो सरल प्रकारों सहित बजाना एवं पढ़ना।
- 5 चार मात्रा से आठ मात्रा तक क मोहरे (पाठ्यक्रम की तालों में) बजाकर सम पर मिलना
- 6 चार मात्रा से आठ मात्रा की तिहाइयों।

### :संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
4. संगीत शास्त्र परिचय – डॉ.एम. बी. मराठे
- 5- ताल शास्त्र परिचय – डॉ. एम. बी. मराठे